सत्रीय परीक्षा **- 2**
प्रतिदर्श प्रश्नपत्र **2021-22**
विषय **-** हिंदी **(**ऐच्छिक**)**
विषय कोड **- 002**
कक्षा **-** बारहवीं

निर्धारित समय **: 2** घंटे पूर्णांक **: 40**

सामान्य निर्देश **:-**

- निम्ननिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए ।
- इस प्रश्न पत्र में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।
- इस प्रश्न पत्र में कुल 09 प्रश्न पूछे गए हैं तथा यह 2 खंडों में विभाजित है।
- प्रश्नों में आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

खंड **-** क

प्रश्न 1 निम्नलिखित दिए गए 3 शीर्षकों में से किसी 1 शीर्षक पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए। (5 अंक)

(क) बारिश की वह सुबह
(ख) मेरे बगीचे में खिला गुलाब
(ग) विद्यालय में मेरा प्रिय कोना

प्रश्न 2 आप अपने विद्यालय के खेल कप्तान हैं। टोक्यो ओलंपिक और पैरा ओलंपिक में भारतीय प्रदर्शन से अति उत्साहित हैं। खेलों के प्रति रुचि जाग्रत करने के लिए अपने विचार व्यक्त करते हुए लगभग 120 शब्दों में किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। (5 अंक)

अथवा

आप निवासी कल्याण संघ (रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन) के अध्यक्ष मुकेश बदरप्पा हैं।नगर विकास प्राधिकरण के सचिव को अपने क्षेत्र के पार्क के समुचित विकास के लिए लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 शब्दों में लिखिए। (5 अंक)

(क) कहानी में पात्रों के चरित्र-चित्रण का क्या स्थान होता है ? (3×1=3)

अथवा

नाटक क्या होता है? यह कहानी से किस प्रकार भिन्न है?

(ख)समय का बंधन सभी के लिए आवश्यक है। नाटक लिखने के लिए 'समय के बंधन' का औचित्य स्थापित कीजिए।   (2×1=2)

अथवा

कहानी का कथानक क्या होता है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 शब्दों में लिखिए। (5 अंक)

(क) माना जाता है कि पत्रकारिता जल्दी में लिखा गया साहित्य है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? इस संदर्भ में अपने विचार तर्कपूर्ण ढंग से प्रस्तुत कीजिए। (3×1=3)

अथवा

पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना पहचाना रूप समाचार लेखन है। समाचार को कैसे लिखा जाता है?

(ख) बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए। (2×1=2)

अथवा

स्तंभ लेखन क्या है? स्पष्ट कीजिए।

खंड **-** ख **(** पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक**)**

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए। (2 × 3 =6 अंक)

(क) निम्नलिखित पंक्तियों में निहित काव्य सौंदर्य लिखिए।

पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े।
नीरज नयन नेह जल बाढ़े।।
कहब मोर मुनिनाथ निबाहा।
एहि ते अधिक कहौं मैं काहा।।

(ख) आशय स्पष्ट कीजिए -

जनम अबधि हम रूप निहारल नयन न तिलपित भेल।।
सेहो मधुर बोल स्रवनहि सूनल स्रुति पथ परस न गेल।।

(ग) बारहमासा का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 6 निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए। (1×2 =2 अंक)

(क) अपने द्वारा इस सत्र में पढ़ी किन्हीं दो कविताओं में प्रयुक्त अलंकारों के महत्व का वर्णन कीजिए।

(ख) वियोगावस्था में सुख देने वाली वस्तुएँ भी दुख देने लगती हैं। 'गीतावली' से संकलित पदों के आधार पर सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 7 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए। (2 × 3 =6 अंक)

(क) 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के लिए कोई दूसरा शीर्षक लिखें तथा इसे चुनने के लिए अपने तर्क दें ।

(ख) असगर वजाहत द्वारा लिखी लघुकथाओं में से कौन-सी लघुकथा आपको सर्वाधिक प्रभावित करती है और क्यों? स्पष्ट कीजिए।

(ग) पारो और संभव में से आप किसके प्रति अधिक सहानुभूति रखते हैं और क्यों? 'दूसरा देवदास' पाठ के आधार पर उस पात्र की मन:स्थिति का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 8 निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए। (1×2 =2 अंक)

(क) "व्यापार यहाँ भी था।" - 'दूसरा देवदास' पाठ के आधार पर इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) औद्योगीकरण ने पर्यावरण को कैसे प्रभावित किया है ? "जहाँ कोई वापसी नहीं" पाठ के आधार पर बताइए।

प्रश्न 9 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए। (2 × 2 =4अंक)

(क) लेखक बिसनाथ ने किन आधारों पर अपनी माँ की तुलना बत्तख से की है?

(ख) 'छप्पन के काल ने देशभर में हाय-हाय मचाई हो लेकिन मालवा में लोग न प्यासे मरे न भूखे क्योंकि उसके पहले के साल खूब पानी था और बाद के साल में भी अपने नदी, नाले, तालाब सँभाल के रखो तो दुष्काल का साल मजे में निकल जाता है। लेकिन हम जिसे विकास की औद्योगिक सभ्यता कहते हैं वह उजाड़ की अपसभ्यता है।'

लेखक को क्यों लगता है कि हम जिसे विकास की औद्योगिक सभ्यता कहते हैं वह उजाड़ की अपसभ्यता है। आप क्या मानते हैं? कथन के आलोक में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ग) शरद में ही हरसिंगार फूलता है। पितर-पक्ख (पितृपक्ष) में मालिन दाई घर के दरवाजे पर हरसिंगार की राशि रख जाती थीं रख जाती थीं, तो खड़ी बोली हुई। गाँव की बोली में 'कुरइ जात रहीं।' बहुत ढेर सारे फूल मानो इकट्ठे ही अनायास उनसे गिर पड़ते थे। 'कुरइ देना' है तो सकर्मक लेकिन सहजता अकर्मक की है।

उपर्युक्त पंक्तियाँ किसकी आत्मकथा का वर्णन कर रही हैं और इस कथा के केंद्र में क्या है?